ॐ

~~~~~~~~~~

विद्या भवन,बालिका विद्यापीठ,लखीसराय ।

कक्षा-अष्टम विषय-हिन्दी

दिनांक—17/02/2021 **सुदामा चरित**

卐 सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया 卐

मेरे प्यारे बच्चों, शुभ प्रभात!

आपका हर दिन खुशियों से भरा हो!

<u>एन सी इ आर टी पर आधारित</u>

<u>सुदामा चरित</u>

बोल्यो द्वार पालक 'सुदामा नाम पांडे' सुनि,

छाड़े राज-काज ऐसे जी की गति जानै को ?

द्वारका के नाथ हाथ जोरि धाय गहे पाँय,

भेंट भरि अंक लपटाय दुख साने को ?

ऐसे बेहाल बिवाइन सों, पग कंटक जाल लगे पुनि जोए ।

हाय महादुख पायो सखा तुम आए इतै न कितै दिन खोए।।

देखि सुदामा की दीन दसा, करूना करि कै करुणानिधि रोए।

पानी परात को हाथ छुयों नहिं, नैनन के जल सों पग धोए।।
~~~~~~~~~~

कुछ भाभी हमको दियो, सो तुम काहे न देत ।

चाँपि पोटरी काँख में, रहे कहो केहि हेतु ।।

आगे चना गुरुमातु देए ते, लाए तुम चाबि हमें नहिं दीने ।।

स्याम कह्यो मुसकाय सुदामा सौं, चोरी की बान में हौ जू प्रवीने ।।

पोटरी काँख में चाँपि रहे तुम, खोलत नाहिं सुधा रस भीने ।।

पाछिली बानि अजौ न तजै तुम, तैसई भाभी के तंदुल कीन्हें ।।

क्रमशः

धन्यवाद

कुमारी पिंकी "कुसुम"

🌲🌲🌲🌲🌲🌲🌲🌲🌲🌲🌲🌲🌲🌲